Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

काल एवं कारक

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों सहित

भाग-2

LIVE 03:00 PM

कारक

संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य पदों (क्रिया) से सम्बन्ध बताने वाला रूप या विभक्ति, कारक होता है ,

जैसे-राम ने रावण को बाण से मारा।

हिन्दी में कारकों की संख्या 8 मानी गई है।
इन कारकों के नाम एवं उनके कारक चिह्न इस प्रकार हैं-

कारक	कारक चिह्न
1.कर्ता	ने
2.कर्म	को
3.करण	से, के द्वारा
4.सम्प्रदान	को,के लिए
5.अपादान	से
6.सम्बन्ध	का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7.अधिकरण	में,पर
8.सम्बोधन	हे,हो,अरे

Mahendra's

कारकों की पहचान-

कारकों की पहचान कारक चिह्नों से की जाती है। कोई शब्द किस कारक में प्रयुक्त है, यह वाक्य के अर्थ पर भी निर्भर है। सामान्यतः कारक निम्न प्रकार पहचाने जाते हैं

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण)। से,के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए। का,की,के
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर (स्थान,समय,अवसर)
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

कारकों का विवेचन

1.कर्ता कारक- (ने) कर्ता का अर्थ है करने वाला। वाक्य में जो संज्ञा या सर्वनाम क्रिया को करता है, उसे कर्ता कहा जाता है, जैसे

गीता ने पुस्तक पढ़ी।
गीता विद्यालय गई।

वाक्यों में गीता ने क्रिया सम्पन्न की है, अतः वह इन वाक्यों की कर्ता है।
यद्यपि कर्ता कारक की मूल विभक्ति 'ने' है तथापि कभी-कभी 'को', 'से' का प्रयोग भी कर्ता कारक में देखा जाता है, जैसे-

- मोहन को पाठ याद करना है।(को)
- मुझसे चला नहीं जाएगा।(से)

2.कर्म कारक- (को) संज्ञा तथा सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया का फल गिरता है, उसे कर्म कारक कहते हैं,
या जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े वह कर्म कारक कहलाता हैं।

जैसे-पुलिस ने चोर को पीटा।

- राधा सीता से नहीं बोलती।(कर्म कारक)
- राम ने सोहन से कहा।(कर्म कारक)
- कृष्ण राधा से प्रेम करते थे।(कर्म कारक)
- मोहन का सोहन से बैर है।(कर्म कारक)

3.करण कारक-(से,के द्वारा) जिस साधन से अथवा जिसके द्वारा क्रिया पूरी की जाती है, उस संज्ञा को करण कारक कहते हैं। इसका चिह्न 'से' अथवा 'द्वारा' है,

जैसे-

- डाकू ने तलवार से मारा।(करण कारक)
- राम ने चाकू से सेब काटा।(करण कारक)

4.सम्प्रदान कार-(को,के लिए)जिसके लिए कोई क्रिया की जाती है, उसे सम्प्रदान कारक कहते हैं।
जैसे-

- राम ने पण्डित जी को वस्त्र दिए।
- मैं माताजी के लिए दवाई लाया।

सम्प्रदान कारक में 'को' विभक्ति के अतिरिक्त के लिए, के वास्ते, के खातिर, के निमित्त आदि का प्रयोग भी होता है, जैसे-

- यह मेज राम के लिए है।
- आपके वास्ते कोट लाया हूँ।
- उनकी खातिर ही मैं आया हूँ।
- भूखों के निमित्त फल दिए।

5.अपादान कारक-(से)जिस संज्ञा अथवा सर्वनाम से किसी वस्तु का अलग होना ज्ञात हो, उसे अपादान कारक कहते हैं। इसका भी चिह्न 'से' है, जैसे

- पत्ता पेड़ से गिरता है।
- राम गाँव से चला आया।

इन वाक्यों में पत्ते का 'पेड़' से तथा राम का 'गाँव' से अलगाव हुआ है, अत: पेड़, गाँव में अपादान कारक है। यद्यपि अपादान कारक में पृथकता का भाव ही प्रमुख है तथापि कुछ अन्य स्थानों, जैसे- कारण, तुलना में भी इसे देखा जाता है,

जैसे-

- कारण- मैं शेर से डरती हूँ।
- तुलना- राम तुमसे अधिक चालाक है।

6.सम्बन्ध कारक- (का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे)

संज्ञा अथवा सर्वनाम के जिस रूप से उसका दूसरे शब्दों के साथ सम्बन्ध प्रकट होता है, उसे सम्बन्ध कारक कहते हैं। सम्बन्ध कारक किसी क्रिया के साथ सम्बन्ध बताकर संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्दों से ही सम्बन्ध प्रकट करता है।

जैसे-

मोहन का घर अच्छा है।

सीमा की माँ अध्यापिका है।

मृगों के झुण्ड दिखाई दिए।

सोने की अंगूठी, चाँदी की पाजेब।

गज भर का डण्डा,दस मीटर का थान।

पीने का पानी, खाने के बर्तन।

7.अधिकरण कारक- (में,पर)जो संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द किसी क्रिया का आधार हो वह अधिकरण कारक कहलाता हैं।
(स्थान,समय,अवसर)

कभी-कभी के ऊपर, के अन्दर, के भीतर, के सामने आदि का प्रयोग भी अधिकरण कारक की विभक्ति के लिए होता है, जैसे

- वह घर में रहता है।
- बन्दर पेड़ पर चढ़ा था।
- तोता पिंजरे में बैठा हैं।
- शेर गुफा में आराम कर रहा हैं।
- कमरे के अन्दर पलंग रखा है।
- मोहन घर के भीतर घुसा रहता है।
- कार्यालय मेरे घर के सामने है।
- पुल के ऊपर बस जा रही थी।

8.सम्बोधन कारक– (हे,हो,अरे)

जिस शब्द से किसी को पुकारने का बोध हो,
उसे सम्बोधन कारक कहते हैं।

जैसे-

विभु! इधर आओ।
हे प्रभु! उसके ऊपर कृपा करना।

कारकों की पहचान-

- कर्ता क्रिया को संपन्न करनेवाला
- कर्म क्रिया से प्रभावित होने वाला
- करण क्रिया का साधन या उपकरण
- संप्रदान जिसके लिए कोई क्रिया संपन्न की जाए
- अपादान जहाँ अलगाव हो वहाँ ध्रुव या स्थिर में अपादान होता है।
- संबंध जहाँ दो पदों का पारस्परिक संबंध बताया जाए।
- अधिकार जो क्रिया के आधार(स्थान,समय,अवसर)आदि का बोध कराए।
- संबोधन किसी को पुकार कर संबोधित किया जाय

1. **कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने**
2. **कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को**
3. **करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा**
4. **सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए**
5. **अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से**
6. **सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए। का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे**
7. **अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर (स्थान,समय,अवसर)**
8. **सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे**

एक ही वाक्य में एक से अधिक कारक हो सकते हैं, जैसे-

हे मुनीश्वर्! राम ने अपनी पत्नी लिए रावण को लंका में तीर से मारा, वह रथ से गिर गया।

- कर्ता- राम
- कर्म- रावण

- करण- तीर से
- संप्रदान -सीता के लिए

- अपादान- रथ से गिर गया
- अधिकरण- लंका में

- संबंध- अपनी पत्नी
- संबोधन - हे मुनीश्वर!

1.किस वाक्य में अपादान कारक है?

(a)मोहन से अब सहा नहीं जाता।

(b)चाकू फल काटो।

(c)राम ने रावण को तीर से मारा।

(d) हिमालय से गंगा निकलती है।

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

2.'के लिए' किस कारक का चिह्न है?

(a)कर्म

(b)संबंध

(c)अपादान

(d)संप्रदान

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

3."मेरे घर से आपका घर पाँच किलोमीटर दूर है।" इस वाक्य में 'घर' में कौन-सा कारक है?

(a)संबोधन
(b)संबंध
(c)अपादान
(d) कर्म

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

4.निम्नलिखित वाक्य को पढ़िए तथा उसमें कारक के सही भेद को पहचानिए:

हे प्रभो! मेरी इच्छा पूर्ण करो।

(a)अधिकरण

(b)संबोधन

(c)अपादान

(d)संबंध

Mahendra's

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

5. वृक्ष से पत्ते गिरते हैं- इस वाक्य में कौन-सा कारक है?
(a)कर्म

(b)अपादान

(c)करण

(d) अधिकरण

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।

   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे

7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

6. 'वह घर से बाहर गया। इस वाक्य में कौन-सा कारक है?

(a) कर्ता
(b) कर्म
(c)अपादान
(d) करण

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

7.रमा ने लता के लिये अपनी कलम दे दी है- इस वाक्य में 'के लिये' किस कारक का चिह्न है?

(a) कर्म

(b) करण

(c)संप्रदान

(d) संबंध

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

8.वृछ पर पछी बैठे हैं

(a)कर्म

(b)सम्प्रदान

(c)अपादान

(d)अधिकरण

Mahendra's

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।
   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

Mahendra's

9.इन फूलों का रंग बहुत सुहावना है-इस वाक्य में 'का' किस कारक का चिह्न है?

(a) कर्म

(b)संबंध

(c) अधिकरण

(d) अपादान

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।

   का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे
7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

10."चारपाई पर भाई साहब बैठे हैं।" इस वाक्य में 'चारपाई' शब्द किस कारक में है?

(a) करण

(b) संप्रदान

(c) संबंध

(d) अधिकरण

1. कर्ता- क्रिया को सम्पन्न करने वाला। ने
2. कर्म-क्रिया से प्रभावित होने वाला। को
3. करण–क्रिया का साधन (उपकरण) । से, के द्वारा
4. सम्प्रदान– जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। को,के लिए
5. अपादान- जहाँ अलगाव दिखाया जाए। से
6. सम्बन्ध –जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए।

का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे

7. अधिकरण– क्रिया का आधार। में,पर
8. सम्बोधन-किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। हे,अरे

उत्तरमाला-

1(d)
2(d)
3(b)
4(b)
5(b)
6(c)
7(c)
8(d)
9(b)
10(d)

धन्यवाद....